मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 3

MHD-23

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम. ए. हिन्दी)

(एम. एच. डी.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2022

एम.एच.डी.-23 : मध्यकालीन कविता—1

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 50*

***नोट : प्रथम** प्रश्न अनिवार्य है। शेष में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

1. निम्नलिखित पद्यांशों में से किन्हीं **दो** की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए : 2×10=20

(क) हँस गँवन ठुम ठुमकत आवइ। चमक चमक धनि पाउ उचावइ
झनक झनक पौ धरती धरा। चमक चमक जनु सुगति भरा
सेल मल्हान सों चाँदा आवइ। जानों कीनरि बेगु उचावइ
सुर भुई धरउँ चाँद धरि पाऊ। नान हुतैं न काढ़ेउँ गाऊ
पागै धूर नैन भरि आँजौं। जीभ काढ़ि दुई तरुवा माँजौं

(ख) रैदास सत्त मति छाँड़िए, जौं लौं घट में प्रान।
दूसरो कोउ धरम नाँहि, जग माँई सत्त समान

(ग) सुनि री मैया काल्हिहीं, मोतिसरी गँवाई।
सखिनि मिलै जमुना गई, धौं उनहिं चुराई
कीधौं जलही मैं गई यह सुधि नहिं मेरैं।
तब तैं मैं पछितावे हों, कहति न डर तेरैं
पलक नहीं निसि कहुँ लगी, मोहिं सपथ तिहारी।
इहि डर तैं मैं आजुहीं अति उठी सवारी
महरि सुनत चकित भई मुख जवाब न आवै।
सूर राधिका गुन भरी, कोउ पार न पावै

(घ) प्रेम पगे जू रँगे रँग साँवरे मानौं मनाये न लालची नैना।
धावत हैं उत ही जित मोहन रोके रुकै नहीं घूँघट ऐना
कानन लौं कल नाहिं परै सखि प्रीति में भीजे सुने मृदु बैना।
रखसान भई मधु की मखियाँ अब नेह को बंधन क्यौं हूँ छुटै ना

2. भक्तिकाव्य में अभिव्यक्त जीवनमूल्यों पर प्रकाश डालिए। 10

3. सूफी काव्य परम्परा की विवेचना कीजिए। 10

4. संत रविदास का साहित्यिक परिचय दीजिए। 10

5. प्रमुख भक्तिकालीन कृष्णभक्त कवियों का परिचय दीजिए। 10

6. निम्नलिखित विषयों में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए : 2×5=10

(क) 'चंदायन' की भाषाशैली

(ख) रसखान की काव्यगत विशेषताएँ

(ग) अजपा जप

(घ) सूरकाव्य का रूप विधान